राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान
समाचार पत्र

अंक - 2019-02 (**जुलाई – सितंबर**)

वेबसाइट : http://www.nipgr.ac.in

समाचार पत्र के इस अंक में

- बैठक / कार्यशालाएं / सम्मेलन
- आमंत्रित व्याख्यान
- खबरों में एन.आई.पी.जी.आर
- कार्यक्रम / आयोजन / विशेष चर्चाएँ
- सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां
- पीएच.डी. डिग्री अवार्ड
- विज्ञान संचार और आउटरीच

संपर्क करें:
श्री रत्नेश्वर ठाकुर (संपादक)
ईमेल: social@nipgr.ac.in,
टेलीफ़ोन नं. 011-26735251 (एक्सटेंशन: 251)

हमारा अनुसरण करें:
facebook /nipgr
twitter @NIPGRsocial

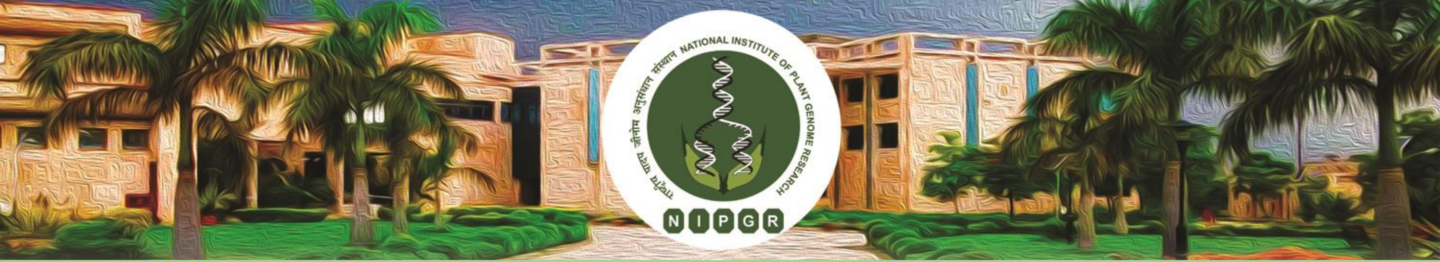

बैठक / कार्यशालाएं / सम्मेलन

शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यशाला: एनआईपीजीआर ने 06 सितंबर, 2019 को बायोलॉजी के शिक्षकों के लिए एक दिवसीय शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यशाला "ट्रेनिंग फॉर स्कूल टीचर्स इन एडवांस्ड बायोलॉजी" का आयोजन किया। इस कार्यशाला का संचालन डॉ. अमर पाल सिंह और श्री रत्नेश्वर ठाकुर ने किया।

स्टूडेंट रिसर्च सीम्पोसिआ "SciEfflux -2019: एनआईपीजीआर में 11 वीं वार्षिक छात्र संगोष्ठी आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशीष रंजन ने किया।

जुलाई 2019: एनआईपीजीआर ने "एनजीएस डेटा विश्लेषण और एनसेंबल संसाधनों (एनजीएस-एसेंबल) पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला (जुलाई 9-12, 2019) का आयोजन किया । इस कार्यशाला का संचालन डॉ. जितेंद्र ठाकुर और डॉ. शैलेश कुमार ने किया।

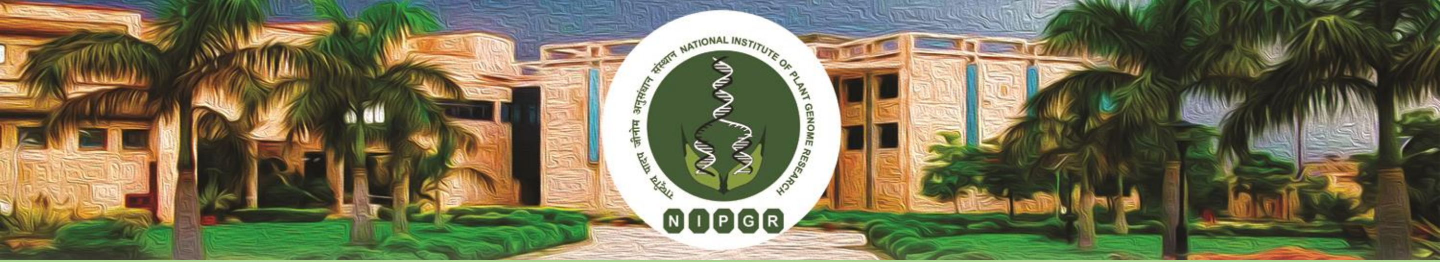

बैठक / कार्यशालाएं / सम्मेलन

एनआईपीजीआर ने पहला एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन **"नेग्लेक्टेड एंड अंडरयूटीलीज़ेड क्रॉप स्पीशीज फॉर फ़ूड , नुट्रिशन , एनर्जी एंड एनवायरनमेंट (NUCS-FNEE-2019)"** का आयोजन अगस्त 02, 2019 को किया। इस सम्मेलन का संचालन डॉ. मनोज प्रसाद ने किया।

अगस्त, 2019: एनआईपीजीआर ने दो दिवसीय सम्मेलन "रीजनल यंग इन्वेस्टिगेटर्स मीटिंग (R-YIM 2019)" का आयोजन अगस्त 06-07, 2019 को किया। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. जगदीस गुप्ता कपुगंती ने किया।

हिंदी कार्यशाला - संस्थान में हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित एवं बढ़ाने हेतु, संस्थान द्वारा सितंबर 27, 2019 को 'हिंदी टंकण (टाइपिंग)', विषय पर एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इसका संचालन श्री ओम प्रकाश साह, कनिष्ठ हिंदी अनुवादक द्वारा किया गया ।

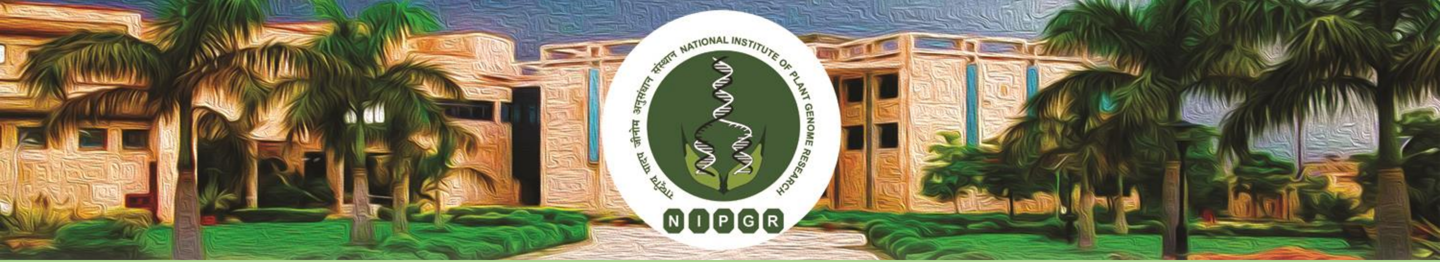

आमंत्रित व्याख्यान

1. प्रो. एलिसन स्मिथ (कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यूके) ने **"सिंथेटिक बायोलॉजी अप्प्रोचेस टू मैनिपुलेट अलगल मेटाबॉलिज्म"** विषय पर जुलाई 26, 2019 को एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
2. प्रो. किरण मैसूर (नोबल रिसर्च इंस्टीट्यूट, यूएसए ने **"इनसेरशनल मुटाजनेसिस ऑफ़ मेडिकागो ट्रुन्क्यातुला एंड इतस यूटिलाइजेशन टू आईडेंटीफ़्य नावेल सोर्सेज ऑफ़ रेजिस्टेंस अगेंस्ट एशियन सोयाबीन रस्ट"** विषय पर जुलाई 31, 2019 को एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
3. डॉ. सैम पेरियण्णन (सीएसआईआरओ एग्रीकल्चर एंड फ़ूड, ऑस्ट्रेलिया) ने **"प्रोटेक्टिंग द ग्लोबल वीट कल्टीवेशन थ्रू रैपिड डिटेक्शन ऑफ़ रेजिस्टेंस फॉर द डेडली रस्ट डिजीज"** विषय पर अगस्त 01, 2019 को एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

खबरों में एन.आई.पी.जी.आर

डॉ. मनोज प्रसाद (वरिष्ठ वैज्ञानिक और जेसी बोस नेशनल फेलो) ने डीडी साइंस शो "जीन एडिटिंग: संभावनाएं और आशंकाए" में जीन एडिटिंग के बारे में बताया। यह डीडी साइंस चैनल पर 5 जुलाई 2019 को शाम 5.00 बजे प्रसारित किया गया था।

वेबसाइट की लिंक: https://www.indiascience.in/videos/gene-editing-sambhawnayen-aur-aashankayen-h-telecast-on-5-slash-11-slash-2019

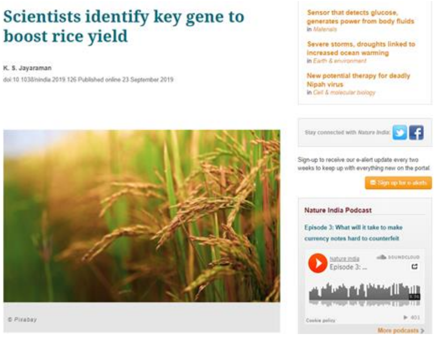
Scientists identify key gene to boost rice yield

K. S. Jayaraman

doi:10.1038/nindia.2019.126 Published online 23 September 2019

© Pixabay

Sensor that detects glucose, generates power from body fluids in Materials

Severe storms, droughts linked to increased ocean warming in Earth & environment

New potential therapy for deadly Nipah virus in Cell & molecular biology

Stay connected with Nature India

Sign-up to receive our e-alert update every two weeks to keep up with everything new on the portal

Sign up for e-alerts

Nature India Podcast

Episode 3: What will it take to make currency notes hard to counterfeit

Nature India
Episode 3: ...

Cookie policy

More podcasts

डॉ. जितेंद्र ठाकुर (वैज्ञानिक) के शोध कार्य “The Mediator subunit OsMED15a is a transcriptional co-regulator of seed size/weight–modulating genes in rice” को Nature India ने समाचार में प्रकाशित किया ।

वेबसाइट की लिंक:
https://www.natureasia.com/en/nindia/article/10.1038/nindia.2019.126?

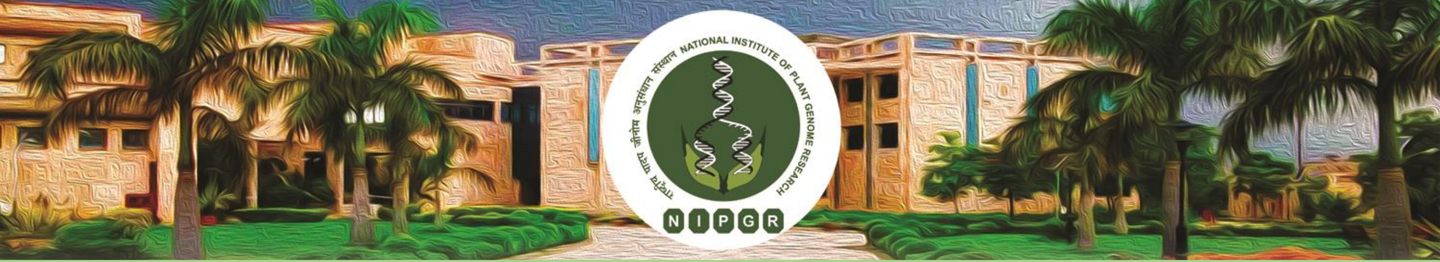

कार्यक्रम / आयोजन / विशेष चर्चाएँ

अगस्त 2019: एन.आई.पी.जी.आर. में "इंटरैक्टिव मीटिंग ऑफ़ कलबोरेटिंग पार्टनर्स ऑफ़ डी.बी.टी. स्पॉन्सर्ड एन.आई.पी.जी.आर फ्लैगशिप प्रोग्राम ओन इम्पॉर्टिंग शीथ ब्लाइट डिजीज टॉलरेंस इन राइस" आयोजित किया गया।

एन.आई.पी.जी.आर. में 15 अगस्त 2019 को स्वतंत्रतादिवस दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में एन.आई.पी.जी.आर. के सभी सदस्यों ने भाग लिया।

7 जुलाई 2019: एन.आई.पी.जी.आर.ने कैम्पस में बच्चों के लिए "ART FESTIVAL" का आयोजन किया।

डीबीटी-ए.ए.यू सेंटर, असम एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, जोरहाट के वैज्ञानिकों ने एन.आई.पी.जी.आर का दौरा किया। उन्होंने एनआईपीजीआर के अनुसंधान गतिविधियों के बारे में जानने के लिए एनआईपीजीआर के वैज्ञानिकों से बात की।

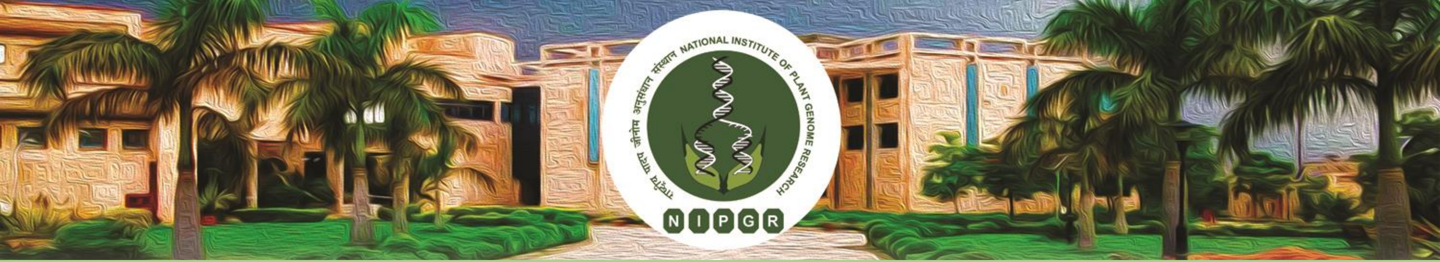

सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

मेघालय (सितंबर 3-6 , 2019): डॉ. मनोज प्रसाद को उनके उत्कृष्ट शोध योगदान के लिए"गोल्डन पीकॉक अवार्ड“ से सम्मानित किया गया ! यह पुरस्कार मेघालय के माननीय राज्यपाल, श्री तथागत रॉय और सचिव- डी.ए.आर.इ. एंड डी.जी.-आई.सी.ए.आर., डॉ. त्रिलोचन महापात्र द्वारा संयुक्त रूप से पूर्वोत्तर के हिल विश्वविद्यालय, शिलॉन्ग में आयोजित किए जा रहे 14 वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 'के दौरान दिया गया।

राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान को वर्ष 2018-19 के दौरान राजभाषा नीति कार्यान्वयन के लिए राजभाषा कीर्ति पुरस्कारों की बोर्डों/स्वायत संस्थानों आदि की श्रेणी के अंतर्गत 'क' क्षेत्र में तृतीय पुरस्कार के लिए चुना गया।

डॉ. नमिशा शर्मा को आईएनएसए युवा वैज्ञानिक पदक 2019 (INSA Young Scientist Medal) पुरस्कार मिला। उन्होंने शोध कार्य डॉ. मनोज प्रसाद (वैज्ञानिक) के पर्यवेक्षण में पूरा किया।

डॉ. पल्लवी सिंह को आईएनएसए युवा वैज्ञानिक पदक 2019 (INSA Young Scientist Medal) पुरस्कार मिला। उन्होंने शोध कार्य डॉ आलोक कृष्ण सिन्हा (वैज्ञानिक) के पर्यवेक्षण में पूरा किया।

श्री रामगोपाल प्रजापति (पीएच.डी. छात्र) को जुलाई 22 – अगस्त 07, 2019 को एनसीबीएस (NCBS), बैंगलोर में आयोजित सर्ब-डीएसटी केमिकल इकोलॉजी वर्कशॉप में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार मिला।

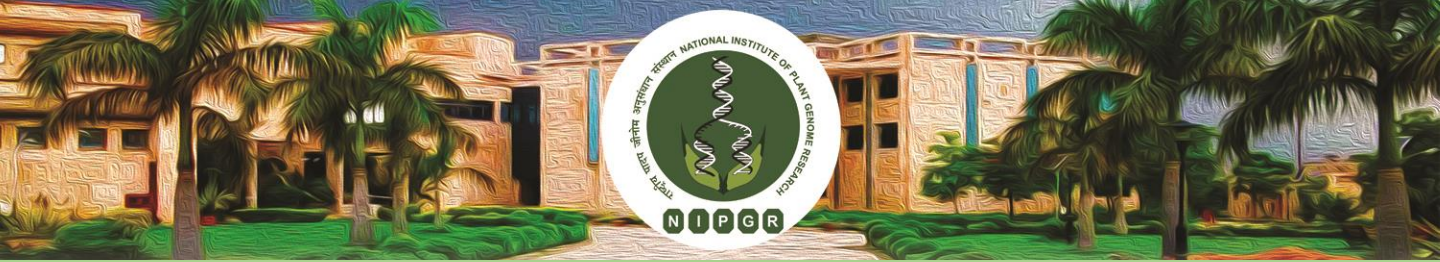

सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

हिंदी पखवाड़ा - संस्थान में सितम्बर 1-14, 2019 के दौरान हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया । हिंदी पखवाड़ा के तहत 13 सितम्बर 2019 को हिंदी निबंध, सुलेख एवं श्रुतलेख आदि विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को संस्थान के स्थापना दिवस समारोह में पुरस्कृत किया गया।

1. हिंदी निबंध प्रतियोगिता में सुश्री जयश्री रुबीना दास को प्रथम पुरस्कार एवं सुश्री आकांक्षा भारद्वाज को द्वितीय पुरस्कार मिला ।
2. हिंदी सुलेख प्रतियोगिता में सुश्री जूही भट्टाचार्या को प्रथम पुरस्कार एवं सुश्री जयश्री रुबीना दास को द्वितीय पुरस्कार मिला ।
3. हिंदी श्रुतलेख प्रतियोगिता में सुश्री ज्योति मौर्या को प्रथम पुरस्कार एवं सुश्री आकांक्षा भारद्वाज को द्वितीय पुरस्कार मिला ।

पीएच.डी. डिग्री अवार्ड

1. सुश्री दीपांजली वर्मा (पीएच.डी. छात्रा) को **"इन्वेस्टीगेशन ऑफ़ नावेल रेगुलेटर्स इन्वोल्वेद इन मैप काइनेज एंड लाइट सिग्नलिंग पाथ्वेस इन अरबिडोप्सिस सीडलिंग डेवलपमेंट"** नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से जुलाई 26, 2019 को सम्मानित किया गया । उन्होंने यह शोध कार्य डॉ आलोक कृष्ण सिन्हा (वैज्ञानिक) के पर्यवेक्षण में पूरा किया है।

2. सुश्री दिव्या मिश्रा (पीएच.डी. छात्रा) को **"आइडेंटिफिकेशन ऑफ़ हाई टेम्परेचर स्ट्रेस-रिस्पॉन्सिव प्रोटीन्स इन व्हीट (ट्रिटिकम ऐस्टिवम एल): ए कम्पेरेटिव प्रोटोमिक्स एप्रोच"** नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से अगस्त 01, 2019 को सम्मानित किया गया । उन्होंने यह शोध कार्य डॉ. निरंजन चक्रवर्ती (प्रोफेसर ऑफ़ एमिनेंस) के पर्यवेक्षण में पूरा किया है।

3. सुश्री अरुणिमा सिन्हा (पीएच.डी. छात्रा) को **"स्टडी ऑफ़ नूट्रिएंट-एंड डिजीज-रेस्पोंसिव सुबेल्लुलर प्रोटेओमे एंड फोस्फो-प्रोटेओमे इन क्रॉप प्लांट्स"** नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से अगस्त 10, 2019 को सम्मानित किया गया । उन्होंने यह शोध कार्य डॉ शुभ्रा चक्रवर्ती (वैज्ञानिक) के पर्यवेक्षण में पूरा किया है।

4. सुश्री ईशा त्यागी (पीएच.डी. छात्रा) को **"मॉलिक्यूलर कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ मयकोफगोउस एक्टिविटी ऑफ़ एन एंटीफंगल बैक्टीरियम अगेंस्ट रहिजोक्टोनिअ सोलानी"** नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से सितंबर 19, 2019 को सम्मानित किया गया । उन्होंने यह शोध कार्य डॉ गोपालजी झा (वैज्ञानिक) के पर्यवेक्षण में पूरा किया है।

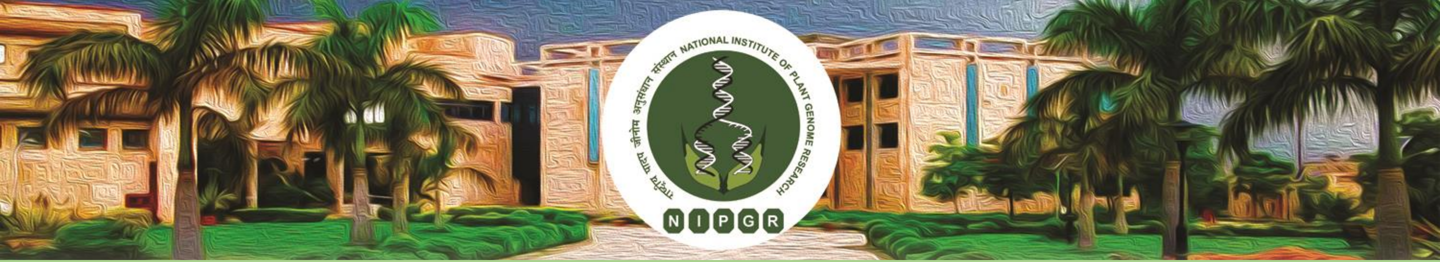

विज्ञान संचार और आउटरीच

(विज्ञान आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से एनआईपीजीआर द्वारा विज्ञान लोकप्रियकरण)

1. डॉ. आशीष रंजन (वैज्ञानिक) ने 20 सितंबर 2019 को दिल्ली विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स के बीएससी के छात्रों और शिक्षकों को एन.आई.पी.जी.आर. की उपलब्धियों और शोध कार्यों के बारे में बताया।

2. डॉ. मनोज प्रसाद (वैज्ञानिक) और उनकी टीम ने 30 अगस्त, 2019 को एन.आई.पी.जी.आर. में मॉडर्न स्कूल, वसंत विहार के छात्रों (कक्षा 10वीं) को एन.आई.पी.जी.आर. की उपलब्धियों और शोध कार्यों के बारे में बताया। इसके बाद व्याख्यान, वैज्ञानिक वीडियो, दृश्य चित्र और बहुत आकर्षक प्रश्नोत्तरी सत्र हुआ।

3. 29 अगस्त, 2019 को, जीवविज्ञान के छात्र (कक्षा 11वीं और 12वीं) और उनके शिक्षक- ने मॉडर्न स्कूल, वसंत विहार से एनआईपीजीआर का दौरा किया। डॉ. आशुतोष पांडे ने छात्रों और शिक्षकों को एन.आई.पी.जी.आर. की उपलब्धियों और शोध कार्यों के बारे में बताया।

4. डॉ. शैलेश कुमार (वैज्ञानिक) ने 6 अगस्त, 2019 को "शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ़ एप्लाइड साइंसेज फॉर वीमेन 'के छात्रों को एन.आई.पी.जी.आर. में एक व्याख्यान दिया। छात्रों और शिक्षकों को एन.आई.पी.जी.आर. की उपलब्धियों और शोध कार्यों के बारे में बताया।